

## जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा संचालित शैक्षणिक प्रोत्साहन योजना अन्तर्गत प्राप्त ऑनलाईन आवेदनों के अनुमोदन करने के लिए संक्षिप्त दिशा-निर्देश

सभी निम्न योजनाओं के लिए आवश्यक :

- भामाशाह एवं आधार कार्ड अनिवार्य।
- अनुसूचित जनजाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं क्योंकि यह सूचना भामाशाह में उपलब्ध है।
- आय प्रमाण पत्र ए.पी.एल. के लिए आवश्यक, बी.पी.एल. के लिए नहीं। एपीएल-बीपीएल वर्ग की सूचना भामाशाह में उपलब्ध।
- छात्र-छात्राओं के अध्ययन में अन्तराल (Gap) नहीं होना चाहिए।

### 1. जनजाति छात्राओं को निःशुल्क स्कूटी वितरण योजना

- राजकीय विद्यालय से 10 वी/12 वी में 65 प्रतिशत या इससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण।
- विद्यार्थी जहां पर अध्ययनरत है, आवेदन उसी महाविद्यालय / विद्यालय को अग्रेषित होगा (12वीं उत्तीर्ण→महाविद्यालय, 10वीं उत्तीर्ण → विद्यालय)
- छात्रा निजी/राजकीय विद्यालय अथवा निजी/राजकीय महाविद्यालय में सामान्य शिक्षा (कला, विज्ञान एवं विज्ञान वर्ग से) में नियमित अध्ययनरत हो।

### 2. जनजाति छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता

- छात्रा निजी/राजकीय महाविद्यालय में सामान्य शिक्षा (कला, विज्ञान एवं विज्ञान वर्ग से) में नियमित अध्ययनरत हो।

### 3. जनजाति छात्राओं को उच्च माध्यमिक शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता

- छात्रा राजकीय विद्यालय में नियमित रूप से 11वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत।

### 4. छात्रगृह किराया सहायता योजना

- अनुसूचित क्षेत्र में निवासरत जनजाति छात्र/छात्राओं के लिए (भामाशाह में पहले से उपलब्ध)
- राजकीय महाविद्यालय में सामान्य शिक्षा (कला, विज्ञान एवं विज्ञान वर्ग से) स्नातक अथवा स्नातकोत्तर में नियमित रूप से अध्ययनरत हो।
- गृह किराया के लिए स्व-घोषित प्रमाण-पत्र अथवा गृह किराया की प्राप्ति रसीद की प्रति।

### 5. बोर्ड एवं विश्वविद्यालय में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण जनजाति प्रतिभावान छात्र को आर्थिक सहायता

- छात्र 10वीं या 12वीं कक्षा की परीक्षा राजकीय विद्यालय से प्रथम श्रेणी (60% या 60% से अधिक) से उत्तीर्ण हो।
- छात्र राजकीय विद्यालय अथवा राजकीय महाविद्यालय में सामान्य शिक्षा (कला, विज्ञान एवं विज्ञान वर्ग से) में नियमित अध्ययनरत हो।
- 11वीं में अध्ययनरत → 10वीं में प्रथम श्रेणी।
- 12वीं में अध्ययनरत → 10वीं में प्रथम श्रेणी एवं 11वीं 48%
- प्रथम वर्ष स्नातक में अध्ययनरत → 12 वीं में प्रथम श्रेणी
- द्वितीय वर्ष स्नातक में अध्ययनरत → 12 वीं में प्रथम श्रेणी एवं प्रथम वर्ष में 48%
- तृतीय वर्ष स्नातक में अध्ययनरत → 12 वीं में प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय वर्ष में 48%